

श्री आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचितम्

ब्रह्मसूत्रभाष्यम्

श्रीपद्मनाभतीर्थविरचित सत्तर्कदीपावली, श्री त्रिविक्रमपण्डिताचार्य विरचित तत्त्वप्रदीपिका
श्री जयतीर्थविरचित तत्त्वप्रकाशिका इति टीकात्रयेण, श्री वादिराजतीर्थविरचित गुर्वर्थदीपिका,
श्रीरघूत्तमतीर्थविरचित भावबोधः, श्रीराघवेन्द्रतीर्थविरचित भावदीपः,
श्री ताम्रपर्णी श्रीनिवासविरचित वाक्यार्थमुक्तावली, श्री पाण्डुरङ्ग श्रीनिवासाचार्यविरचित तत्त्वसुबोधिनी,
श्रीनिवासतीर्थविरचित वाक्यार्थविवरणम्, श्रीशर्करा श्रीनिवासविरचित वाक्यार्थमञ्जरी,
इति सप्तटिप्पणीभिः समलङ्कृतम्

चतुर्थं सम्पुटम्
(द्वितीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)

Edited by

Mahāmahopādhyāya

Prof. K.T. Pandurangi

Formerly Prof. of Sanskrit, Bangalore University

Hon. Director, Dvaita Vedanta Studies and Research Foundation

Upakulapati, Poornaprajna Vidyapeetha, Bangalore

1999



Published by

Dvaita Vedanta Studies and Research Foundation

No.33/163, 10th B Main Road, Jayanagar I Block, Bangalore-11